संगमयुगी ब्राह्मणों की निशानियां

1. संगमयुगी ब्राह्मण सदा अतिन्द्रिय सुख की भासना में रहेंगे।
2. उनकी रग-रग में परमात्म याद का करन्ट दौड़ता रहेगा।
3. उनकी नस-नस में याद की खुमारी व ईश्वरीय शिक्षा समायी होगी।
4. वे सदा ईश्वरीय मिशन की सर्विस पर तत्पर रहेंगे।
5. परमात्म यज्ञ के पवित्र ब्राह्मण के स्मृतिस्वरूप होकर यज्ञ रक्षा करेंगे।
6. परचिन्तन मुक्त होकर सदा अव्यभिचारी याद में रहेंगे।
7. पवित्र कर्त्तव्य करने और कराने वाले होंगे।
8. स्वधर्म के नशे में रहकर औरों को भी स्वधर्म में स्थित करने वाले होंगे।
9. सर्व प्रकार के भेदभाव से परे रहकर सदैव आत्मिक भाव में रहेंगे।
10. पुरानी दुनिया, पुराने स्वभाव, पुराने संस्कार आदि से सम्पूर्ण मरजीवा होंगे।
11. साईलेन्स बल और योगबल से माया पर जीत पाने वाले होंगे।
12. अविनाशी ज्ञान रतनों की टिकलू-टिकूल, विचार सागर मंथन करने वाले होंगे।
13. ईश्वरीय सर्विस, ज्ञान और योग के शौकीन रूहानी नशे में रहने वाले होंगे।
14. पतित आत्माओं को माया विकारों के चुंगल से छुड़ाने वाले होंगे।
15. निरन्तर स्वदर्शनचक्रधारी, चैतन्य लाइट हाउस-माइट हाउस स्थिति में रहेंगे।
16. कर्मसम्बन्ध में रहने वाले होंगे, न कि कर्मबन्धन में रहेंगे।
17. अपने आप से रूहानी नशे व खुशी की बातें करने वाले होंगे।
18. परमात्म प्यार की प्यासी आत्माओं की प्यास बुझाने वाले होंगे।
19. अपने को आत्मा समझकर दूसरों को भी आत्मिक भाव से समझायेंगे।
20. नाम, रूप, देह.... आदि के भान से न्यारे होकर रहेंगे।
21. नर से नारायण बनने की कथा सुनने और सुनाने वाले होंगे।
22. अपने महान लक्ष्य को स्मृति में रख निरंतर तीव्र पुरुषार्थ करेंगे।
23. सर्वशक्तिवान बाप से प्राप्त सर्वशक्तियों की अनुभूति में रहेंगे।
24. ईश्वरीय मर्यादाओं को सच्चाई से पालना करेंगे।
25. थोड़ा-थोड़ा समय निकालकर योगबल जमा करने का शौक रख चार्ट भरेंगे।
26. कर्म करते हल्के और कर्मयोगी स्थिति का अनुभव करते रहेंगे।
27. दु:खी, अशान्त, रोगी आत्माओं व प्रकृति को सकाश देते रहेंगे।
28. हर आत्मा के प्रति शुभ भावना व शुभ कामना रखेंगे।
29. पवित्रता के वायब्रेशन फैलाकर वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाएंगे।
30. संगमयुग के महत्व को जानकर हर सेकण्ड को सफल करेंगे और करायेंगे।

ओम् शान्ति